(घ) यदि हां तो कितनी धनराशि निर्धारित की गई है तथा उद्यमियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली वित्तीय संस्थाओं के नाम क्या हैं, और

(ङ) आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक विद्युत चालित करघा क्षेत्र में कपड़े के वार्षिक उत्पादन के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी): (क) जी हां।

(ख) विद्युतकरघा क्षेत्र में तैयार किये गये कपड़े की प्रतिशतता देश में तैयार किये गए कुल कपड़े का 72 प्रतिशत आंकी गई है।

(ग) तथा (घ) सरकार ने उद्यमियों के लिए वित्तीय सहायता के रूप में कोई राशि उद्दिष्ट नहीं की है। तथापि, सरकार ने विद्युतकरघा क्षेत्र की सहायता के लिए विद्युतकरघा सेवा केन्द्रों तथा कम्प्यूटर सहायित डिजाइन केन्द्रों की स्थापना के लिए निधियां उत्कृष्ट की है। विद्युतकरघा उद्यमियों को की गई सहायता के लिए एस आई डी बी आई तथा नाबार्ड द्वारा बैंकों का पुनर्वित्त पोषण किया जाता है।

(ङ) आठवीं योजना के अन्तिम वर्ष तक विद्युतकरघा क्षेत्र में लगभग 30000 मि. मीटर कपड़ा उत्पादित किये जाने की आशा है।

कपास का उत्पादन और उपलब्धता

2710. **डा. जितेन्द्र कुमार जैन** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि चालू कपास वर्ष के दौरान कपास की 172 लाख गांठों का उत्पादन होने की संभावना है;

(ख) यदि नहीं, तो सरकार का वास्तविक अनुमान क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि देश में कपास की कीमतों की तुलना में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कपास की कम कीमतों के कारण भारतीय उद्यमियों द्वारा कपास का आयात करने का निर्णय लिया जा रहा है;

(घ) क्या यह भी सच है कि यद्यपि पिछले वर्ष कपास की 17.85 लाख गांठों के निर्यात का लक्ष्य था किन्तु केवल 13.8 लाख गांठें ही निर्यात की जा सकीं;

(ङ) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या है; और

(च) देश में कपास की खपत की तुलना में उसकी बढ़ी हुई उपलब्धता तथा इसके निर्यात की कम संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए कपड़े के उत्पादन को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या क्या तात्कालिक और दीर्घकालीन कदम उठाये जा रहे हैं ?

वस्त्र मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) : (क) जी नहीं।

(ख) कपास सलाहकार बोर्ड ने 8-11-93 को हुई अपनी बैठक में वर्ष 1993-94 के कपास मौसम के दौरान कपास की कुल 135 लाख गांठ का उत्पादन होने का अनुमान लगाया है।

(ग) जी नहीं।

(घ) तथा (ङ) पिछले वर्ष निर्यात के लिए कपास की 17.85 लाख गांठों को रिलीज किया गया था जिसमें से 31-8-93 तक 13.768 लाख गांठों का जहाज पर लदान कर दिया गया था।

(च) सरकार ने यार्न तथा क्लाथ उत्पादन में वृद्धि सहित वस्त्रों के उत्पादन में वृद्धि के लिए कई कदम उठाए हैं जैसे कि—

(1) क्षेत्रीय मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अध्याधीन क्षमताओं के सृजन तथा विस्तार पर प्रतिबंध हटाना।

(2) सौ प्रतिशत निर्यात उन्मुख एककों, एक लाख से अधिक की क्षमता वाले शहरों की परिधि से 25 किलो मीटर के भीतर पड़ने वाले एकक और यदि वह 24-7-91 की स्थिति के अनुसार सरकारी तौर पर घोषित किए औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित नहीं है के मामलों को छोड़कर क्षेत्र में लाइसेंस की अपेक्षाओं को समाप्त करना।

(3) जब कभी आवश्यक हो नीति हस्तक्षेप के माध्यम से उद्योगों को कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उपाय ।

(4) ओ जी एल के अन्तर्गत वस्त्र मशीनरी के आयात की अनुमति देने तथा ऐसे आयात पर शुल्क में कटौती करना ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना में वस्त्र क्षेत्र के लिए निर्धारित धनराशि

2711. **डा. जिनेन्द्र कुमार जैन :**

श्री राम जेठमलानी : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या यह सच है कि योजना आयोग ने आठवीं पंचवर्षीय योजन के लिए देश में वस्त्र क्षेत्र के लिए 1008 करोड़ रुपये के परिव्यय का अनुमोदन किया है;

(ख) यदि हां, तो उक्त धनराशि में से सरकार ने मिल क्षेत्र, हथकरघा क्षेत्र तथा विद्युत चालित करघा क्षेत्र के लिए अलग अलग से कितनी धनराशि निर्धारित की है;

(ग) क्या यह सच है कि देश में हथकरघा उद्योग एक श्रम प्रधान उद्योग है तथा अन्यों की तुलना में अधिक रोजगार उपलब्ध कराता है; और

(घ) यदि हां, तो आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक हथकरघा क्षेत्र में कितने कामगारों को रोजगार मिलने की संभावना है ?

वस्त्र मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) (क) जी हां ।

(ख) सरकार द्वारा मिल क्षेत्र, हथकरघा क्षेत्र तथा विद्युतकरघा क्षेत्र के लिए उद्दिष्ट की गई राशि निम्न प्रकार है --

(करोड़ रु. में)

मिल क्षेत्र	155.00
हथकरघा क्षेत्र	300.00 (हथकरघा विकास केन्द्रों की स्थापना के लिए 321.00 करोड़ रु. का अलग नियतन)
विद्युत करघा क्षेत्र	18.00

(ग) जी हां ।

(घ) आठवीं योजना के अन्तिम वर्ष में हथकरघा क्षेत्र में पैदा किये जाने वाले रोजगार का अनुमान 134.40 लाख व्यक्ति है ।

बेरोजगार वस्त्र श्रमिकों का पुनर्वास

2712. **श्री राजू भाई ए. परमार :** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) कपड़ा मिलों के बन्द होने से बेरोजगार हुए श्रमिकों के पुनर्वास हेतु चालू वर्ष के दौरान कितनी धनराशि निर्धारित की गई है;

(ख) उन श्रमिकों का ब्यौरा क्या है जिन्हें अब तक राहत राशि प्रदान कर दी गई है;

(ग) उन श्रमिकों, विशेषकर गुजरात में, की संख्या कितनी है जिन्हें यह राहत राशि प्रदान करना बाकी है;

(घ) ये श्रमिक कब से बेरोजगार हुए हैं;

(ङ) इन बेरोजगार श्रमिकों को कब तक राहत राशि का भुगतान किये जाने की संभावना है;

(च) क्या बन्द पड़ी कपड़ा मिलों को पुन. चालू करने से संबंधित कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है: और

(छ) यदि हां, तो कब तक तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वस्त्र मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जी. वेंकटस्वामी) : (क) चालू वित्तीय वर्ष के दौरान वस्त्र कामगार पुनर्वास निधि योजना के अंतर्गत 4783 करोड़ रु. का प्रावधान (बजट प्राक्कलन) किया गया है ।

(ख) से (घ) एक विवरण (नीचे देखिए) संलग्न है ।

(ङ) कोई ठीक समय नहीं बताया जा सकता क्योंकि वस्त्र कामगार पुनर्वास निधि योजना के अन्तर्गत भुगतान की प्रक्रिया चल रही है क्योंकि सरकारी अपार्कता भविष्य निधि आयुक्त जैसे राज्य